Chapter- 2

काकी

STUDY NOTE

MIND MAP

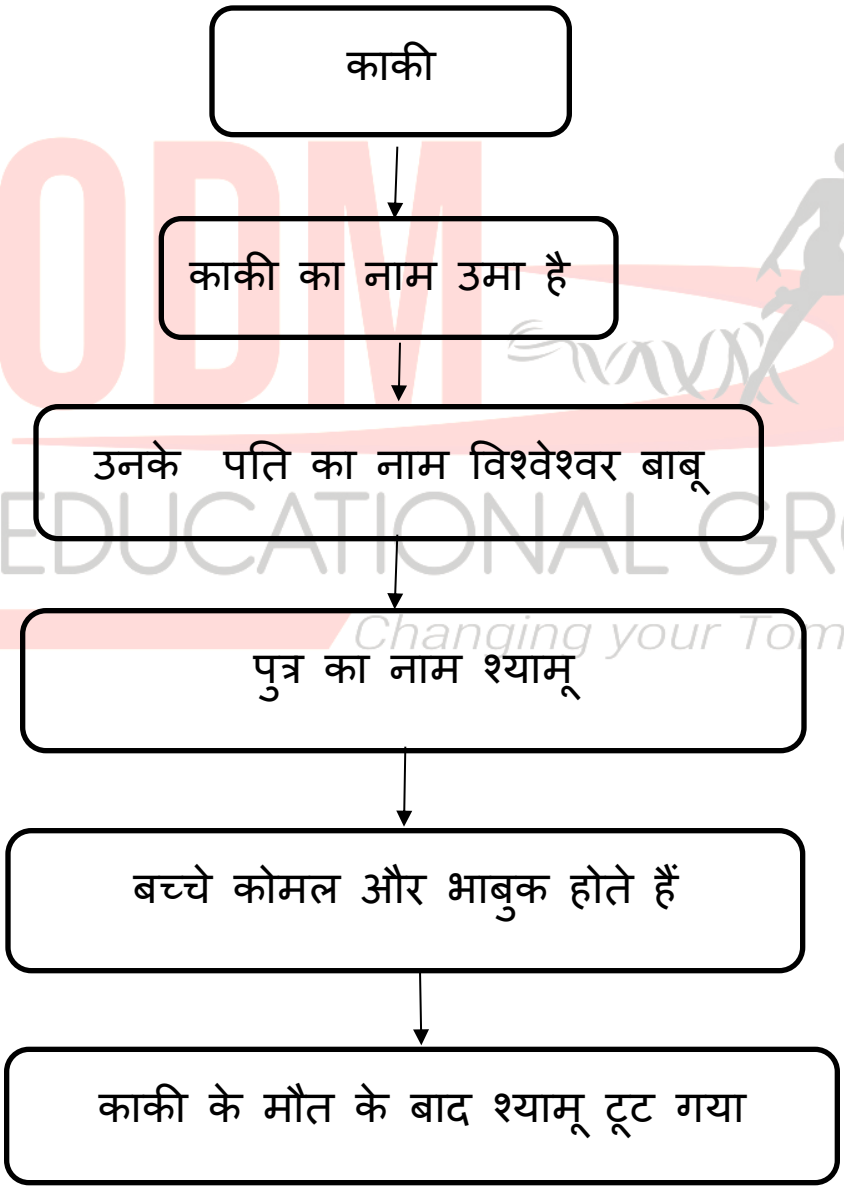

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

बाल मन को समझना बहत कठिन होता है

श्यामू काकी को राम के घर से वापस लाने के लिए पतंग का सहारा लिया

पतंग को खरीदने केलिए उसके पास पैसा नहीं था इसलिए उसने विश्वेश्वर बाबू के कोर्ट से पैसा चोरी करके भोला को दे दिया पतंग लाने केलिए

भोला के माध्यम से उन्हे पता चल गया गुस्से में आकर विश्वेश्वर बाबू तमाचे जड़ दिए

पतंग के ऊपर काकी का नाम देख कर विश्वेश्वर बाबू के आँखों में आँसू आ गए । अपनी प्यारी काकी को पाने केलिए श्यामू पैसा चोरी किया था

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

Chapter- 2

काकी

STUDY NOTE

बालक श्याम को अबोध जानकर उसे माँ का अनुपस्थित म दिलासा देने के विचार से बड़े लोगां ने उसे बहका दिया था। उन्हांने उसे बताया कि काका को मामा ले गया है। लेकिन धीरे-धीरे श्यामू को यह बात मालूम हुई कि काका भगवान के पास गई है, जो ऊपर आसमान म रहता है। श्यामू काका से मिलने के लिए कई दिन तक रोता रहा। जब वह नहां आई तो उसने रोना बन्द कर दिया । क्यांकि यह स्वाभाविक बात थी। आखिर उसे रोना बन्द तो करना हा पड़ता। फिर भी काका से न मिल पाने का हृदय म गहरा दुख था। वह अकेला बैठा-बैठा यह सोचता रहता कि काका आसमान से किस प्रकार उसके पास आए। वह अबोध बालक दुख से ऊपर आसमान का ओर टकटका लगाए रहता।

श्यामू का माँ »काका« को लोग श्मशान ले जाकर दाहकम कर आए थे। लोगां ने श्यामू को बताया कि काका मामा के घर गई ह। धीरे-धीरे श्यामू का रोना तो बंद हो गया परन्तु मन का शोक दूर नहां हुआ। श्यामू ने अपने पिता विश्वेश्वर से एक पतंग ला देने को कहा। विश्वेश्वर के ऐसा न कर सकने पर श्यामू ने उसके कोट से चवन्नी निकालकर पतंग मँगाई और भोला को बताया कि यह पतंग ऊपर राम के यहाँ जाएगी। इसको पकड़कर काका नीचे आएगी। भोला ने सुझाव दिया कि पतंग का रस्सी मोटा होनी चाहिए। श्यामू ने विश्वेश्वर के कोट से रुपया निकालकर मोटा रस्सी मँगाई। रुपये का चोरा के कारण श्यामू का पिटाई हुई और विश्वेश्वर ने उसका पतंग फाड़ दा और रस्सियां के बारे म पूछा। भोला ने बताया कि श्यामू रस्सियां से पतंग तानकर काका को राम के यहाँ से नीचे उतारेगा। हतबुद्ध विश्वेश्वर ने फटा पतंग पर चिपके कागज पर लिखा देखा- »काका«।